नवभारत
भोपाल, रविवार, 10 मई, 2026

डंपर में लगी आग, टोल प्लाजा बूथ भी खाक

झांसी- खजुराहो फोरलेन के देवगांव टोल प्लाजा पर हुआ हादसा

नवभारत न्यूज
खजुराहो/बमीठा, 9 मई. झांसी-खजुराहो फोरलेन पर शनिवार सुबह करीब 8 बजे उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब अपनी चपेट में ले लिया.

जानकारी के मुताबिक, डंपर (क्रमांक एमपी 16 जेड एफ 8199) बमीठा से छतरपुर की ओर जा रहा था. जैसे ही वाहन देवगांव टोल प्लाजा के पास पहुंचा, उसमें से धुआं निकलने लगा. शुरुआती जांच में आग की वजह शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी मानी जा रही है. डंपर चालक ने कैबिन में रखे कंबल से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन

डंपर चालक ने कूदकर बचाई अपनी जान

देवगांव टोल प्लाजा पर डस्ट से भरे एक डंपर में अचानक भीषण आग लग गई. आग इतनी विकराल थी कि उसने देखते ही देखते टोल प्लाजा के हिस्से को भी

टोल प्लाजा को भारी नुकसान

डंपर में लगी इस आग ने टोल प्लाजा को भी अपनी चपेट में ले लिया. आग की तपिश और लपटों के कारण टोल प्लाजा का सेंसर बैरियर और बूथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, टोल प्रबंधन को इस घटना से करीब 2 से 3 लाख रुपए का वित्तीय नुकसान हुआ है.

लपटें इतनी तेज थीं कि उसे जान बचाने के लिए नीचे कूदना पड़ा. कुछ ही पलों में पूरा डंपर आग की लपटों में घिर गया.

> घटना के दौरान टोल प्लाजा पर सुरक्षा इंतजामों की पोल खुल गई. प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि टोल जैसी महत्वपूर्ण जगह पर आग बुझाने के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे. आग लगने के करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुँची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक डंपर जलकर खाक हो चुका था. स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि टोल पर अग्निशमन उपकरण होते, तो नुकसान को कम किया जा सकता था.

खुले आसमान के नीचे पड़ा हजारों क्विंटल गेहूं

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 9 मई. जिले में गेहूं उपार्जन की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है. शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद केंद्रों से अनाज का उठाव नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण लगभग 50 प्रतिशत गेहूं अब भी खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है. डीएमओ की उदासीनता और परिवहन ठेकेदार की लापरवाही ने किसानों की रातों की नींद उड़ा दी है.

केंद्रों पर लगा स्टॉक का अंबार

शासन की गाइडलाइन के अनुसार, जिस दिन गेहूं की तौल होती है, उसी दिन 90 प्रतिशत अनाज का परिवहन सुनिश्चित किया जाना चाहिए. लेकिन जिले के घुवारा और छतरपुर सेक्टर में स्थिति इसके ठीक उलट है. यहाँ हजारों क्विंटल गेहूं का उठाव समय पर नहीं होने से स्टॉक लगातार बढ़ता जा रहा है. हालात इतने खराब हैं कि कई केंद्रों पर अब नया अनाज रखने के लिए जगह भी नहीं बची है, जिससे तौल कार्य भी प्रभावित हो रहा है.

किसानों को आंधी-बारिश की चिंता

मौसम के बदलते मिजाज और आंधी-बारिश की चेतावनी ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है. खुले में रखे अनाज के भीगने का खतरा बना हुआ है. किसानों का कहना है कि खून-पसीने की कमाई को इस तरह बर्बाद होते देखना उनके लिए पीड़ादायक है. परिवहन एजेंसी की ओर से समय पर ट्रक न मिलने के कारण केंद्रों पर अव्यवस्था का माहौल है.

सुनवाहा उप स्वास्थ्य केंद्र की बड़ी लापरवाही

गर्भवती महिला को दी फफूंद लगी दवा

नवभारत न्यूज
बकस्वाहा (छतरपुर), 9 मई. छतरपुर जिले के बकस्वाहा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सुनवाहा उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों की एक ऐसी लापरवाही सामने आई है, जो किसी की जान पर भारी पड़ सकती थी।

यहाँ नियमित जांच के लिए पहुंची एक गर्भवती महिला को स्वास्थ्य केंद्र से फफूंद लगी और खुली हुई दवाएं थमा दी गईं. इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

दवा देखते ही उड़ गए होश

जानकारी के अनुसार, ग्राम सुनवाहा की निवासी 22 वर्षीय हेमा नामदेव, जो 5 महीने की गर्भवती हैं, जांच के लिए उप स्वास्थ्य केंद्र गई थीं. वहाँ तैनात स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें कैल्शियम की टेबलेट्स दीं. जब हेमा ने घर जाकर दवा देखी, तो टेबलेट्स पहले से खुली हुई थीं और उन पर सफेद धब्बे (फफूंद) लगे हुए थे. खराब दवा की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर कड़ा विरोध दर्ज कराया.

बीएमओ का सख्त रुख

मामला तूल पकड़ते ही ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. सत्यम आसाटी ने घटना का संज्ञान लिया है. उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही करार देते हुए कहा, 'गर्भवती महिला को खराब दवा देना अक्षम्य है. मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.'

अव्यवस्थाओं का केंद्र बना अस्पताल

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि गर्भवती महिला को ऐसी

दवा देना उसकी और उसके होने वाले बच्चे की सेहत के साथ सीधा खिलवाड़ है. ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि इस केंद्र में न केवल दवाओं के रख-रखाव में लापरवाही बरती जा रही है, बल्कि यहाँ लंबे समय से गंदगी का अंबार लगा हुआ है. अस्पताल के कमरों और परिसर में सफाई न होने से मरीजों को संक्रमण का खतरा बना रहता है.

अवैध शराब बैचने वाला आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
आष्टा 9 मई. अवैध शराब परिवहन, भण्डारण में 81 लीटर शराब के फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. 18 अप्रैल को ग्राम बमुलिया के शमशान घाट के अंदर खडे पुराने पानी के टेंकर के अंदर से अवैध शराब जप्त कर अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही थी. शनिवार को आरोपी राहुल पिता कुमैर सिह उम्र निवासी बमुलिया रायमल को गिरफ्तार कर लिया. वहीं अन्य आरोपियों की तलाश जारी है.

एक नजर में

ट्रक-एंबुलेंस में भिड़ंत, कैबिन में फंसा चालक

सीहोर. शुक्रवार देर रात इछावर मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया. दो पुलिया जोड़ के पास तेज रफ्तार 108 एम्बुलेंस और ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि एम्बुलेंस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया, जिसे काफी मशक्कत के बाद निकालकर जिला अस्पताल भेजा जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल रेफर किया गया. जानकारी के अनुसार बीती रात रेहटी स्वास्थ्य केन्द्र की 108 एंबुलेंस मरीज को छोड़कर वापस रेहटी लौट रही थी. बताया जाता है कि एंबुलेंस इछावर के समीप पहुंची तभी सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा रात करीब 11 से 11.30 बजे के बीच हुआ. गाड़ियों के टकराने की आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत कर एम्बुलेंस के क्षतिग्रस्त केबिन को काटा और चालक राहुल जाट को बाहर निकाला. घायल चालक राहुल को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए दूसरी 108 एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन करीब एक घंटे तक कोई एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची. इससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया.

लापरवाह ठेकेदार पर लगाया 69 लाख जुर्माना

आष्टा. पेयजल की समस्या को स्थायी रूप से समाप्त करने और भविष्य में जलसंकट की स्थिति से निपटने के लिए नगर पालिका द्वारा क्रियान्वित की जा रही पाईपलाइन परियोजना अब प्रशासन के सख्त रडार पर है. रामपुरा डैम से नगर तक बिछाई जा रही पाईपलाइन के कार्य में देरी और लापरवाही बरतने पर नपा ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार पर लिक्विडीटी डैमेज के तहत भारी जुर्माना लगाया है. सीएमओ विनोद कुमार प्रजापति ने बताया कि रामपुरा डैम परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य एक निश्चित समय-सीमा में पूर्ण किया जाना था. हालांकि संबंधित ठेकेदार द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद कार्य की गति अत्यंत धीमी रही और निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा है. परिषद द्वारा ठेकेदार को न केवल आर्थिक दंड की चेतावनी दी गई है, बल्कि इसे अंतिम चेतावनी के रूप में भी देखा जा रहा है. उन्होंने बताया कि लिक्विडीटी डैमेज क्लॉज के तहत लगाई गई 69 लाख 14 हजार 860 रुपए की पैनाल्टी ठेकेदार के भुगतान से काटी जाएगी.

त्यागी महाराज यज्ञ सम्राट की उपाधि से अलंकृत

डोबी. ग्राम आमोन में चल रहे लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में चित्रकूट कामदगिरि पीठाधीश्वरजगत स्वामी जगत् रामस्वरूपाचार्य महाराज द्वारा संत 1008 मोहन दास त्यागी दिगंबर धाम बावड़ी कुंड पीठाधीश्वर को यज्ञ सम्राट के पद से सुशोभित किया गया. इस मौके पर सभी दिगंबर धाम के साधकों व शिष्यों ने महाराज को बधाई दी. इस दौरान महंत गिरिशदास, यज्ञ आचार्य प्रेमाचार्य, टीकम दास त्यागी, संत रामकुमार दास, पूर्व शिक्षा मंत्री राजकुमार पटेल, नरेंद्र सिंह चौहान, वीरसिंह पटेल, योगाचार्य सोबरन सिंह, गोविंद सिंह पटेल, रामदास पटेल, वीरसिंह पटेल, उदयनारायण पटेल, राजकुमार, अमरदीप पटेल, विनय पटेल द्वारा शुभकामनाएं दी.

आईपीएल सट्टेबाजी पर कार्रवाई

दो सटोरिये लगे पुलिस के हाथ

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 9 मई. आईपीएल मैचों के दौरान सक्रिय सट्टा खिलाने वाले गिरोह के खिलाफ सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए लाखों रुपए का सट्टा खिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है. मौके से दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार होने में कामयाब रहा.

फरार आरोपी की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों के पास से सट्टा खिलाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ऑनलाइन आईडी और लाखों रुपए के लेन-देन का विस्तृत हिसाब-किताब मिला है. जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह आधुनिक तकनीक और मोबाइल ऐप्स के जरिए बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क चला रहा था. पुलिस को मौके से कई अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिससे इस नेटवर्क से जुड़े अन्य बड़े नामों का खुलासा होने की उम्मीद है. पुलिस ने इस मामले में कुल तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान वीरेंद्र गिरी गोस्वामी और लल्लू गुप्ता के रूप में हुई है. वहीं, मामले का तीसरा आरोपी राहुल गुप्ता फिलहाल फरार बताया जा रहा है. पुलिस टीम राहुल की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है.

पड़ताल में जुटी पुलिस

सिटी कोतवाली पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार और कहां-कहां जुड़े हैं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सट्टेबाजी के इस अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. शहर में सक्रिय अन्य सट्टेबाजों पर भी पुलिस की पैनी नजर है.

दो बच्चों के साथ हुई महिला लापता

कार्रवाई न होने पर एसपी को आवेदन देकर लगाई गुहार

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 9 मई. शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र में एक परिवार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब एक महिला अपने दो मासूम बच्चों के साथ रहस्यमयी ढंग से लापता हो गई. पीड़ित पति मोहन अहिरवार अब न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है. पुलिस द्वारा ठोस कार्रवाई न किए जाने से आहत होकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को आवेदन सौंपकर मदद की गुहार लगाई है.

25 अप्रैल से लापता है परिवार

पीड़ित मोहन अहिरवार के अनुसार, उनकी पत्नी सुनीता अहिरवार और दो छोटे बच्चे बीते 25 अप्रैल 2026 से अचानक लापता हैं. काफी तलाश के बाद जब कोई पता नहीं चला, तो 28 अप्रैल को ओरछा रोड थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था.

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल- परिजनों ने अपने स्तर पर हर संभावित स्थान पर तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. ओरछा रोड पुलिस की ढीली कार्यप्रणाली से नाराज होकर पीड़ित ने अब एसपी से न्याय की उम्मीद जताई है. मोहन ने मांग की है कि उसकी पत्नी और बच्चों को जल्द से जल्द सकुशल बरामद किया जाए और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए.

गहने-नकदी गायब

एसपी को सौंपी गई शिकायत में मोहन ने गौरगाय ग्राम के एक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पीड़ित का कहना है कि उक्त व्यक्ति उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है. पत्नी के साथ घर में रखे 20 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के कीमती आभूषण भी गायब हैं, जिससे मामला केवल गुमशुदगी का न रहकर साजिश की ओर इशारा कर रहा है.

बुंदेलखंड विवि में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 9 मई. महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (एमसीबीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दाखिले की प्रक्रिया का आधिकारिक आगाज कर दिया है। विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं में संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया गया है. कुलगुरु प्रो. राकेश कुशवाह एवं कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल के निर्देशानुसार प्रवेश समितियों ने अपना कार्य तेजी से शुरू कर दिया है. प्रवेश प्रभारी डॉ. आरएस सिसोदिया के अनुसार, प्रवेश के प्रथम चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है. छात्र अपनी तैयारी इन तिथियों के अनुसार पूर्ण कर लें:

20 को आएगी स्नातक की पहली मेरिट लिस्ट

स्नातक : पहली मेरिट लिस्ट 20 मई को जारी होगी. चयनित छात्रों को 20 से 26 मई तक शुल्क जमा करना होगा.

स्नातकोत्तर : आवंटन पत्र 21 मई को जारी होंगे. शुल्क जमा करने की अवधि 21 से 26 मई निर्धारित की गई है.

पुलिया के निर्माण में धांधली के आरोप

नवभारत न्यूज
चंदला, 9 मई. गौरीहार जनपद पंचायत अंतर्गत पी डब्लू डी के तहत निगवापुखरी से नाहरपुर बाया बरुआ तक 4 करोड़ की लागत से 4 किलोमीटर की रोड निर्माण पर निर्माणाधीन पुलिया कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं. उक्त निर्माण कार्य कृष्णा कॉन्ट्रैक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है, जहां गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं.

4 करोड़ की लागत से बन रहे रोड की पुलियाओं का मामला

ग्रामीणों के अनुसार पुलिया का निर्माण कार्य अभी पूर्ण भी नहीं हुआ है, लेकिन मौके पर उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता बेहद खराब देखी जा रही है. आरोप है कि निर्माण में घटिया एवं सेट (जमा हुआ) सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है, जिसे तोड़कर छानकर दोबारा लगाया जा रहा है. इससे पुलिया की मजबूती और टिकाऊपन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

पुलिया निर्माण कार्यों में बड़ी कोताही बरती जा रही है सीमेंट की मात्रा बिल्कुल कम नजर आ रही है, हाथ लगाने से मटेरियल निकल रहा है सीमेंट बिल्कुल खराब लगाया जा रहा है हाथ लगाने से कंक्रीट मटेरियल निकल रहा है. ऊपर से सूखे सीमेंट लीपापोती कर दी गई है. पुलिया निर्माण में पाइपों के ज्वाइंट नहीं किए गए है सीधे मिट्टी डालकर बंद कर दिए गए हैं.

स्थानीय लोग अरविंद कुमार पटेल सुनील पटेल ,लल्लू पाल ,अरविंद प्रजापति तथा अन्य ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की लापरवाही से भविष्य में पुलिया क्षतिग्रस्त हो सकती है, जिससे आमजन की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न होगा. इसके बावजूद संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं. ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सके.

इनका कहना है

आपके द्वारा जानकारी दी गई हम जांच करवाते है कार्यवाही की जाएगी.

– आशीष भारती
एग्जीक्यूटिव इंजीनियर
छतरपुर

भूमि पूजन

25 मुर्गी पालन इकाइयों का भूमि पूजन, सोलर लाइट भी मिली, विधायक, जिपं सीईओ की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

ग्राम गंगवाहा में महिलाओं के स्वावलंबन की नई उड़ान

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 9 मई. महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राजनगर के ग्राम गंगवाहा में एक बड़ी पहल की गई है. मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत यहाँ 25 महिलाओं के लिए मुर्गी पालन इकाइयों का भूमि पूजन किया गया.

कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया के मुख्य आतिथ्य और जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया के विशिष्ट मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. जिला परियोजना प्रबंधक श्याम गौतम ने बताया कि गंगवाहा में 25 महिलाओं को मुर्गी पालन इकाइयां स्वीकृत की गई हैं. एक इकाई की कुल लागत 2 लाख 26 हजार रुपये है. इसमें खास बात यह है कि 1 लाख 83 हजार रुपये का बड़ा हिस्सा 'जिला खनिज प्रतिष्ठान' द्वारा अनुदान (सब्सिडी) के रूप में दिया जा रहा है. कुल 56 लाख 50 हजार रुपये की इस परियोजना में महिलाओं को बाज़ार व्यवस्था के लिए राजनगर महिला मुर्गी उत्पादक संस्था का तकनीकी सहयोग भी मिलेगा.

विधायक और सीईओ ने बढ़ाया उत्साह

विधायक अरविंद पटेरिया ने अपने संबोधन में कहा कि शासन समाज के अंतिम छोर पर खड़ी महिलाओं के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी, बल्कि उनके परिवार भी समृद्ध बनेंगे. जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पीरा की महिलाओं की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाएं कार्य के प्रति अनुशासित होती हैं, इसलिए उन्हें इन आधुनिक प्रबंधन तकनीकों से जोड़ा जा रहा है.

रोशन होंगे घर

मुर्गी पालन के साथ-साथ सभी 25 हितग्राहियों को 'स्मॉल ग्रांट प्रोग्राम' के तहत सोलर होम लाइट सिस्टम भी वितरित किए गए. एक यूनिट में सोलर पैनल, बैटरी, दो एलईडी बल्ब, दो मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट और एक टेबल फैन शामिल है. रिचर्ड संस्थान के प्रतिनिधियों ने महिलाओं को इस सिस्टम के रखरखाव और संचालन का प्रशिक्षण भी दिया. यह यूनिट एक बार चार्ज होने पर 8 घंटे का बैकअप देगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या से निजात मिलेगी.